श्री

माधुरी विलास

प्रथम भाग

जिसे लखुना जि० इटावा निवासी

शङ्कर दीक्षित

ने श्रीमान १०८ कुल कमल दिवाकर श्रीयुतरा-
जा चंद्र शेखर साहब बहादुर सिसेंडी नरेश की
परम कृपालुता व गुण ग्राहकता की परम
अनुग्रह से

बनाया

गुर बख्श सिंह दुबे जमीदार बिठूर ने

प्रयाग प्रेस

में मुंशी बच्चू राम मेनेजर के प्रबंध से
छपवाया

प्रथमा वृत्ति ५०० प्रति | सन १८८७ | मूल्य प्रति पुस्तक ≈)